सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

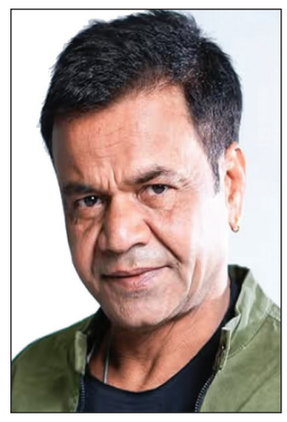

बार बार जम्हाई आना हो सकता है।.... पेज: 7

सलमान की अगली एक्शन फिल्म में हुई राजपाल.. पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 23 | शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

वसुंधरा राजे के नाम पर फर्जी लेटर और वीडियो मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

-भोपाल और मोहाली से पकड़े गए आरोपी जयपुर लाए गए

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को मध्यप्रदेश और पंजाब से पकड़कर जयपुर लाया गया है। डीसीपी साउथ राजश्री राज ने मीडिया को बताया कि ज्योति नगर थाना पुलिस ने निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को भोपाल से गिरफ्तार किया, जबकि अमृता धुमाल को मोहाली से हिरासत में लिया गया। चारों आरोपियों को बुधवार को जयपुर लाया गया, जहां उनसे पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के नाम से संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित एक फर्जी पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए एआई तकनीक की मदद से वीडियो का रूप भी दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर की गई। पुलिस अब चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग करेगी, ताकि गहन पूछताछ के जरिए पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में और लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इससे पहले जांच में मध्यप्रदेश कनेक्शन सामने आने पर भोपाल पुलिस ने कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इस कार्रवाई पर हरीश चौधरी और सांसद विवेक टांक ने सवाल उठाए थे। हरीश चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से हिरासत में रखना निंदनीय है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने इसे असहमति की आवाज दबाने और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए डिजिटल फॉरेंसिक जांच और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

झारखंड में दो नए चिड़ियाघर बनाने की योजना... 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास देने की तैयारी

रांची (एजेंसी)। झारखंड राज्य में दो नए चिड़ियाघर के निर्माण की प्रक्रिया जारी है। दुमका और गिरिडीह में प्रस्तावित चिड़ियाघर में 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध करने की तैयारी है। इसके लिए देश के दूसरे वन प्रभाग और नेशनल पार्क से वन्य जीव लाए जाएंगे। इन जीवों को पहले दलमा और सारंडा के रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। बता दें कि सारंडा में नई सफारी भी बननी है। हाथियों के लिए बनाए गए इन रेस्क्यू सेंटर पर बाहर से आए जीवों को झारखंड की जलवायु में ढलने का मौका मिलेगा। वन्यजीव विशेषज्ञ ने बताया कि बाघ, चीता जैसे वन्य जीव जल्दी दूसरे जीवों से घुलते मिलते नहीं हैं। नई जगह पर इन्हें आरामदायक माहौल नहीं मिलने पर इनकी मृत्यु तक हो जाती है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए चीते की मौत के बाद केंद्रीय वन्यजीव संस्थान ने इनके ट्रांसपोर्ट और रिहेब्लिटेशन (आवास) के मानदंड कड़े किए हैं। नए लाए वन्यजीवों को एकबार चिड़ियाघर में स्थानांतरित करने के बाद इनके चिकित्सा की व्यवस्था वहीं होगी। झारखंड सरकार ने वन्य जीव संस्थान से इसके लिए पशु चिकित्सालय स्थापित करने में तकनीकी सहायता मांगी है। दुमका और गिरिडीह में सात के करीब बाघ रखने की योजना विभाग बना रहा है। इसके अलावा रणथंभौर से चीते लाने के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों से बात हुई है। विशेषज्ञों ने चिड़ियाघर में वन्यजीव के रहने के लिए प्राकृतिक आवास तैयार करने का निर्देश दिया है। मार्च में केंद्रीय वन्यजीव विशेषज्ञ ने दुमका और गिरिडीह के प्रस्तावित स्थलों का दौरा किया है। यहां साल के वृक्ष लगाने और बड़े चट्टानों को स्थाना करने की सलाह विशेषज्ञ ने दी है।

लुधियाना के स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना(एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना के स्कूलों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है। फिलहाल चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल जारी होने के बाद स्कूलों ने अभिभावकों के ग्रुप में जानकारी शेयर कर पुलिस प्रशासन को सूचित किया है। स्प्रिंग डेल स्कूल ने बच्चों की छुट्टी कर दी। फिलहाल स्कूल में पुलिस की ओर से चैकिंग चल रही है। इसके पहले 10 मार्च को लुधियाना के कुछ स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, इस बात से हड़कंप मच गया था। सुबह करीब 7 बजे ई-मेल के जरिए सीबीएसई से संबंधित 3 स्कूलों को धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी।

जयपुर में बिजली के बॉक्स बनाने की फैक्ट्री में आग.... महिला मजदूर जिंदा जली

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बिजली के बॉक्स और इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री में आग लगी। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूर की जिंदा जल गई। वहीं दो अन्य झुलस गए। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फैक्ट्री में फायर सेफ्टी उपकरण भी नहीं थे। हादसा सुदर्शनपुरा इलाके में हुआ। बिजली इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री जेएमडी एंटरप्राइजेज के बेसमेंट में भीषण आग लग गई थी। इस दौरान बेसमेंट में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में ब्लास्ट भी हुआ, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। घटना के समय फैक्ट्री में 7 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे में गोमा देवी (47) निवासी यूपी की जलने से मौत हो गई। दो मजदूर अभिषेक (30) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी 22 गोदाम, मनोज मालाकर (42) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को एसएमएस हॉस्पिटल की बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। यूनिट मालिक शशांक कटियार है। फैक्ट्री में जहां हादसा हुआ, वहां बिजली के उपकरण जैसे फैन बॉक्स, कंशिल्ड बॉक्स बनाए जाते थे। इसके लिए बेसमेंट में भट्ठी जलाकर लोहे की चद्दर को काटकर कंशिल्ड और फैन बॉक्स का रूप दिया जा रहा था। भट्ठी के साथ गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा था। बताया जा रहा है कि बेसमेंट में रखे पाउडर पोटिंग की भट्ठी में लगे सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण आग लगी। वहीं बताया जा रहा है कि जब विस्फोट हुआ, उस दौरान कम्प्रेशर चालू था, जिससे आग भभक पड़ी। फैक्ट्री में 69 किलो एलपीजी गैस से भरे पांच सिलेंडर रखे थे। फायर फाइटर्स सबसे पहले सिलेंडरों को आग की लपटों से दूर लेकर गए।

अदालत को प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा

-सबरीमाला मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने क्यों किया 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का प्रयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मामले से जुड़े रेफरेंस की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने अहम टिप्पणी कर 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का इस्तेमाल किया। यह टिप्पणी तब आई जब वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल अदालत में धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े तर्क रख रहे थे और विभिन्न स्रोतों से विचारों का हवाला दे रहे थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता कौल ने दलील दी कि ज्ञान और विचार किसी भी माध्यम से आए हों, उन्हें पूरी तरह खारिज नहीं करना चाहिए। वे अखबार में प्रकाशित एक लेख और विभिन्न विचारकों के मतों का उल्लेख कर रहे थे, जिसमें धार्मिक मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि अदालत सभी विद्वानों और लेखकों का सम्मान करती है, लेकिन कोई भी लेख या व्यक्तिगत राय न्यायालय पर बाध्यकारी नहीं होती। तभी बहस के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने हल्के अंदाज में कहा, 'लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से नहीं,' उनकी इस टिप्पणी से संदेश दिया गया कि अदालत में केवल प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा किया जा सकता है, न कि अपुष्ट या सोशल मीडिया आधारित जानकारी पर।

मामले की पृष्ठभूमि में दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से दायर याचिका शामिल है, जिसमें धार्मिक बहिष्कार (एक्सकम्युनिकेशन) की प्रथा को चुनौती दी गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता कौल समुदाय की ओर से पेश हो रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 26(बी) के तहत धार्मिक संप्रदायों को अपने मामलों के प्रबंधन का अधिकार प्राप्त है और इसे हर स्थिति में अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत राज्य के सामाजिक सुधार कानूनों के अधीन नहीं माना जाना चाहिए। कौल ने तर्क दिया कि पहले के न्यायिक निर्णय, जैसे 'देवरू' फैसला, केवल मंदिर प्रवेश से जुड़े मामलों तक सीमित थे और उन्हें सभी धार्मिक अधिकारों पर लागू सामान्य सिद्धांत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने अनुच्छेद 25 और 26 के बीच संतुलित व्याख्या यानी 'हार्मोनियस कंस्ट्रक्शन' की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट किया कि जब राज्य अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाता है, तो धार्मिक अधिकारों को पूर्ण और सर्वोपरि नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ये अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन होते हैं, और इन्हीं आधारों पर सामाजिक सुधार संभव होता है। कौल ने इस तर्क

से सहमति जाहिर की। इसके साथ ही कौल ने 'संवैधानिक नैतिकता' की व्याख्या पर भी चिंता जताई और कहा कि इस अनावश्यक रूप से विस्तृत अर्थ देने से संवैधानिक प्रावधानों का दायरा बदल सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि गलत प्रथाओं को रोकने के लिए सार्वजनिक नैतिकता पर्याप्त आधार है।

हरियाणा-राजस्थान सीमा के पास मिले गुब्बारे, अंग्रेजी और उर्दू में लिखा- 'पीआईए'

-पुलिस ने पहुंचकर की जांच, गुब्बारे में नहीं मिली कोई संदिग्ध चीज

सिरसा (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा जिले के एक गांव में बुधवार को एक घर के बाहर सफेद और नीले रंग का गुब्बारा मिला, जिस पर अंग्रेजी और उर्दू में 'पीआईए' लिखा था। अधिकारियों ने बताया कि गुब्बारे पर पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर थी, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। नाथूसरी चौपटा थाना प्रभारी ने बताया कि सिरसा के खैरी गांव में एक घर के बाहर हवाई जहाज जैसा दिखने वाला गुब्बारा गिरा। उन्होंने कहा कि पुलिस को सूचना मिली कि गुब्बारा एक शेड के बाहर गिरा है, जहां एक ग्रामीण अपने जानवर बांधता है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। गुब्बारे में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। अधिकारी ने बताया कि यह गांव हरियाणा-राजस्थान सीमा के पास है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के एक गांव के पास भी बुधवार को सफेद और नीले रंग का गुब्बारा मिला था, जिस पर अंग्रेजी में 'पीआईए' लिखा था और पाकिस्तान के झंडे की तस्वीर थी। भटियात तहसील की नगाली पंचायत के शुकड़ाह गांव में संदिग्ध गुब्बारा मिलने से हड़कंप मच गया है। नागली ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान ने गुब्बारा देखने के बाद खैरी थाने को सूचना दी। इसके बाद डलहौजी के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने गुब्बारे को मालखाने में सुरक्षित रखवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले इसी इलाके में ऐसा ही एक गुब्बारा मिला था। इससे पहले, बिलासपुर और कांगड़ा में ऐसे गुब्बारे मिल चुके हैं।

गुजरात के निकाय चुनाव में भाजपा की जीत का भरोसा: मनसुख मांडविया का बड़ा बयान

'डबल इंजन सरकार पर जनता का विश्वास बढ़ा, सभी स्थानीय निकायों में भाजपा की जीत तय'

सूरत (एजेंसी)। स्थानीय निकाय चुनावों के बीच सूरत के उद्योगपतियों के साथ आयोजित एक अहम बैठक में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने भाजपा की जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि सूरत महानगरपालिका सहित पूरे गुजरात में होने वाले आगामी नगर पालिका, तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की मजबूत जीत होगी। मनसुख मांडविया ने कहा कि पिछले दो दिनों से वे सूरत में चुनाव प्रचार के दौरान लगातार लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान जनता का रुझान स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व वाली ÷डबल इंजन सरकार÷ के प्रति गहरा विश्वास है, क्योंकि यह सरकार जनकल्याण और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सूरत के युवाओं में स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप की नई लहर देखने को मिल रही है। कई युवा नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। खास बात यह है कि ये युवा सरकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से लाभ उठाकर अपने छोटे-बड़े उद्यम खड़े कर रहे हैं। यह गुजरात के विकास मॉडल की सफलता को दर्शाता है।

मांडविया ने आगे कहा कि सरकार ने आम जनता पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए एक्साइज ड्यूटी में कटौती जैसे कदम उठाए हैं। इससे लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सूरत नगर निगम क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे गुजरात में भाजपा के प्रति जनता का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। उनके अनुसार, उद्योग जगत, व्यापारी वर्ग और युवा सभी वर्गों में सरकार की नीतियों को लेकर सकारात्मक माहौल है। बैठक में उद्योगपतियों ने भी सरकार की नीतियों और विकास कार्यों पर चर्चा की। मंडाविया ने कहा कि सरकार और जनता के बीच बढ़ता भरोसा ही भाजपा की जीत की सबसे बड़ी ताकत है। अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी स्थानीय स्वराज्य चुनावों में भाजपा सभी नगर पालिकाओं, तालुका पंचायतों और जिला पंचायतों में ऐतिहासिक सफलता हासिल करेगी।

कमजोर मानसून और अलनीनो का प्रभाव... जल संकट से निपटने को तैयार हुई महाराष्ट्र सरकार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद स्थिति की कमान संभालकर जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में संभावित कमजोर मानसून और अल नीनो के खतरे को देखकर राज्य सरकार सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद स्थिति की कमान संभालकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जल प्रबंधन को प्राथमिकता दें और अगस्त 2026 तक पीने के पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अल नीनो के प्रभाव से वर्षा में कमी आ सकती है, जिससे राज्य में जल संकट गहराने की आशंका है।

महाराष्ट्र राज्य के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर ने कैबिनेट बैठक में जलाशयों के मौजूदा स्तर और संभावित जोखिमों की जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 तक महाराष्ट्र के बांधों में 653.63 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी उपलब्ध है, जो बीते वर्ष के मुकाबले अधिक है। हालांकि, यदि मानसून कमजोर रहता है, तब यह स्थिति जल्दी बिगड़ सकती है। पहले भी अल नीनो वाले वर्षों में जल स्तर में भारी गिरावट दर्ज की गई है–2014 में 12 प्रतिशत और 2015 में लगभग 14 प्रतिशत तक कमी आई थी, जिससे

राज्य के अंदर व्यापक जल संकट पैदा हुआ था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अभी से पानी बचाने की आदत अपनाएं। उन्होंने जल संरक्षण परियोजनाओं को तेज करने, जल प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने और पारंपरिक जल स्रोतों जैसे कुएं, बावड़ी और तालाबों को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को भी मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इस समीक्षा बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस क्रम में राज्य सरकार ने ÷जल प्रबंधन कार्य पखवाड़ा÷ अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य आम जनता की भागीदारी से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना है। इसके तहत 'गोदा से नर्मदा' और 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर जल-यात्रा 2026' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने बताया कि इस पहल का मकसद जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देना है। यह जल यात्रा तीन मुख्य स्तंभों विचार, विरासत और विकास से जुड़ी है। इसका उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण के महत्व से जोड़ना और ऐतिहासिक विरासत से प्रेरणा लेकर आधुनिक समाधान विकसित करना है। अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती के मौके पर शुरू की गई यह पहल उनके जनकल्याणकारी और दूरदर्शी शासन से प्रेरित है, जिसमें मंदिरों, घाटों और जल संरचनाओं के निर्माण को विशेष महत्व दिया गया था। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र सरकार संभावित जल संकट को गंभीरता से लेकर पहले से ही ठोस कदम उठा रही है। यदि समय रहते जल संरक्षण और प्रबंधन के उपाय प्रभावी ढंग से लागू किए गए, तब लाखों लोगों को भविष्य में पानी की कमी से बचाया जा सकता है।

पीएम मोदी के बॉस कहने पर नितिन नवीन की प्रतिक्रिया... यह बात पार्टी की संस्कृति को दिखाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें 'बॉस' कहने पर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बात उनकी पार्टी की संस्कृति को दिखाती है। एक विशेष इंटरव्यू में नितिन नवीन से जब पीएम मोदी की इस टिप्पणी के बारे में पूछा गया तब उन्होंने बेबाकी से जवाब देकर कहा कि यही हमारी पार्टी की खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि इसतरह के संबोधन आपसी सम्मान और संगठनात्मक भाईचारे से आते हैं, न कि सख्त सत्ता संरचना से आते है।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नितिन नवीन को बधाई देकर उनके लिए 'बॉस' शब्द का इस्तेमाल किया था। यह इशारा पार्टी की अनुशासित संरचना के बीच अनौपचारिक और प्रतीकात्मक भाव के रूप में देखा गया। पीएम मोदी ने कहा था कि मैं एक कार्यकर्ता हूं और नितिन नवीन अब मेरे बॉस हैं। मैं नवीन को भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं, जो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। मैं सभी पूर्व अध्यक्षों का भी पार्टी को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं।

बात दें कि वरिष्ठ बीजेपी नेता नितिन नवीन को जनवरी में पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। 45 वर्षीय नवीन की नियुक्ति को पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और पीढ़ीगत बदलाव की दिशा में संकेत के रूप में देखा गया, खासकर इस साल होने वाले महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले, 45 साल की उम्र में नितिन नवीन बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं और वे पार्टी के 12वें अध्यक्ष हैं। नवीन का संबंध राजनीतिक परिवार से है। वे बिहार के वरिष्ठ बीजेपी नेता और चार बार विधायक रहे नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं। 2006 में पिता के निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा और पटना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव जीतकर विधायक बने। समय के साथ उन्होंने पार्टी के भीतर अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत की। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में वे सड़क निर्माण और शहरी विकास जैसे अहम विभागों के मंत्री भी रहे, हालांकि बाद में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी

एनएचआरसी का ने उठाया बड़ा कदम, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। निजी स्कूलों में महंगी किताबों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। प्राइवेट स्कूलों में पेरेंट्स पर महंगी किताबों को खरीदने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और कई जगहों पर अभिभावक इसका विरोध भी जता रहे हैं, हालांकि अब इस मसले पर एनएचआरसी ने बड़ा कदम उठाया है। प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। आयोग ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई नमो फाउंडेशन की शिकायत के आधार पर हुई है, जिसमें निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए छात्रों और अभिभावकों पर दबाव डालने का आरोप है।

आयोग ने राज्यों को राष्ट्रीय स्कूल बैग नीति और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पालन पर रिपोर्ट देने को कहा है, साथ ही एससीईआरटी और एनसीईआरटी की किताबों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने साफ कहा है कि सरकारी और निजी स्कूलों में अलग-अलग किताबें लागू करना 'अकादमिक भेदभाव' हो सकता है। अब इस मामले में शिक्षा मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

बता दें स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर हरियाणा का अभिभावक एकता मंच भी पिछले कई सालों से आवाज उठा रहा है और इसका विरोध कर रहा है। मंच की मानें तो स्कूलों में छोटी-छोटी कक्षाओं में 4-4 हजार रुपए के किताबों के सेट लगाए हुए हैं। स्कूल हर साल पाठ्यक्रम की किताबों में कुछ न कुछ हल्का फेरबदल भी कर देते हैं ताकि पेरेंट्स पुरानी किताबों का इस्तेमाल न कर सकें और उन्हें नई किताबें ही खरीदनी पड़ें। इससे पेरेंट्स के ऊपर हर साल बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

तमिलनाडु चुनाव: अब सीधा मुक़ाबला नहीं यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन गया

-एक्टर विजय की एंट्री ने दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल दी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक युगांतरकारी मोड़ के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह चुनाव केवल सत्ता के परिवर्तन का संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पांच दशक पुराने राजनीतिक ढांचे के ढहने का संकेत है जिसमें केवल दो द्रविड़ दिग्गजों डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी टीवीके के प्रवेश ने एक स्थिर दो-ध्रुवीय व्यवस्था को एक अस्थिर और रोमांचक त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। पिछले 50 से ज्यादा सालों से तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ियन विचारधारा, सामाजिक न्याय और लोक-कल्याणकारी नीतियों की धुरी पर घूमती रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी सांगठनिक शक्ति का लोहा मनवाया। प्रशासनिक स्थिरता और द्रविड़ मॉडल के नैरेटिव ने उन्हें अल्पसंख्यकों और शहरी मध्यम वर्ग के बीच मजबूत बनाए रखा है। जय जयललिता के निधन के बाद भी एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके ने अपना वोट बैंक काफी हद तक बचाए रखा है। विपक्ष के रूप में यह पार्टी सत्ता-विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश करती रही है।

अब तक छोटी पार्टियां या तो इन दो दिग्गजों के साथ गठबंधन में समा जाती थीं या हाशिए पर रहती थीं, लेकिन विजय ने इस परिपाटी को चुनौती दी है। राजनीति में विजय के कदम रखने से, अब यह दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल गई है। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक, विजय ने अपनी ज़बरदस्त लोकप्रियता को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया है, जिसका मकसद इन दोनों ही द्रविड़ियन पार्टियों को चुनौती देना है। टीवीके ने भ्रष्टाचार-विरोध, शासन-सुधार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को आधार बनाकर, बहुत तेज़ी से युवाओं के बीच अपना समर्थन-आधार तैयार किया है, साथ ही, पार्टी ने ज़मीनी स्तर पर अपने विस्तार पर भी काफी ज़ोर दिया है, जिसमें बूथ-स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना भी शामिल है।

सबसे अहम बात यह है कि टीवीके की रणनीति विजय की निजी लोकप्रियता से कहीं आगे तक जाती है। पार्टी ने इस चुनाव को एक पीढ़ीगत बदलाव के तौर पर पेश किया है, जिसमें युवाओं को नौकरी, इंटर्नशिप और आर्थिक मदद का वादा करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। यह तरीका ऐसे राज्य में बहुत मायने रखता है, जहां युवाओं की आबादी बहुत ज़्यादा है करीब 12.5 लाख पहली बार वोट देने वाले और 40 साल से कम उम्र के करीब 2.5 करोड़ वोटर हैं। विजय ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए भी ज़ोरदार कोशिश की है। ये वोटर कुल वोटरों का करीब 51 फ़ीसदी हिस्सा हैं। टीवीके ने कई चुनावी वादे किए हैं। ये वादे एक रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं, खासकर तब जब पार्टी के अंदर पहले डीएमके सरकार की महिलाओं के लिए 1,000 रुपये की मदद जैसी कल्याणकारी योजनाओं की आलोचना की गई थी।

टीवीके के ज़्यादातर अकेले चुनाव लड़ने के फ़ैसले ने समीकरणों को उलझा दिया है, जिससे डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को ही अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करने पर मजबूर होना पड़ा है। एआईएडीएमके ने इस चुनाव को डीएमके के साथ सीधी लड़ाई के तौर पर पेश करने की कोशिश की है, ताकि सत्ता-विरोधी वोटों का बंटवारा न हो, वहीं, डीएमके युवाओं के वोट छिटकने के जोखिम के बावजूद अपने मुख्य वोट बैंक को बचाए रखने के लिए अपने शासन के कामकाज और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण पर ही ज़्यादा ज़ोर दे रही है। ज़मीनी स्तर पर, इस चुनाव का तीन-तरफ़ा स्वरूप दक्षिणी ज़िलों जैसे कन्याकुमारी, थूथुकुडी और तिरुनेलवेली में और साथ ही चेन्नई जैसे शहरी केंद्रों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। इन जगहों पर टीवीके की मौजूदगी ने वोट देने के पारंपरिक तरीकों और जीत-हार के अंतर को बदल दिया है।

तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव अब कोई सीधा-सादा मुकाबला नहीं रह गया है, बल्कि यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन चुका है। डीएमके, एआईएडीएमके और टीवीके के बीच चल रही इस त्रिकोणीय जंग

में, भले ही यह नई पार्टी सीधे तौर पर विजेता बनकर न उभरे, लेकिन चुनाव परिणामों को तय करने में इसकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है। सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां 40 फीसदी मतदाता अभी भी इस चुनाव को डीएमके बनाम एआईएडीएमके की पारंपरिक जंग मानते हैं, वहीं 20 फीसदी लोग विजय को एक वास्तविक और मजबूत विकल्प के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। भले ही विजय सीधे तौर पर सत्ता तक न पहुंचें, लेकिन उनकी पार्टी किंगमेकर बनकर उभरेगी और भविष्य के गठबंधनों की दिशा तय करेगी।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

उमेश चतुर्वेदी

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के

बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री ह्यधरती का बेटाह्न यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा अ जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

संपादकीय

झुलसती जिंदगी

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दशार्ता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन : ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

सुनील कुमार महला

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना गलत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-क जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया।

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया।

इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ड भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वतः लागू नहीं होता है। इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं। हालांकि, यह बात अलग है कि भारतीय संसद आवश्यकतानुसार अपवादों और संशोधनों के साथ इन क्षेत्रों में भी इसके प्रावधान लागू कर सकती है।

निष्कर्षतः, यहां यह बात कही जा सकती है कि 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र(इंडियन डेमोक्रेसी) को जमीनी स्तर तक सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ। इसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण जनता की भागीदारी सुनिश्चित की, सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा दिया तथा गाँवों को अपने विकास के निर्णय लेने का अधिकार प्रदान किया। सरल शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि 73 वें संविधान संशोधन ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर ग्रामीण विकास में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे भारत प्रतिनिधिक लोकतंत्र से सहभागी लोकतंत्र की ओर बढ़ा है। निस्संदेह यह संशोधन ग्राम स्वराज, सशक्त ग्रामीण भारत और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है। एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ?

गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गई,ह्व उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है।

आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रेल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है।

छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी।

इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।।मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं। इस घटना के बाद कैंपस में तनाव और बढ़ गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के कार्यवाहक निदेशक ब्रह्मजीत ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई कई मांगों को स्वीकार कर लिया है।

इन संदिग्ध मौतों के चलते कैंपस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र देर रात मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्रावास के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं था और उन्होंने स्थिति से निपटने के तरीके पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घटना के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाले समय पर भी सवाल उठाया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने परिसर में हाल में छात्रों के आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। साथ ही छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए तीन अलग-अलग समितियां भी बनाई हैं। जांच समिति इस मुद्दे पर छात्रों, प्रोफेसर, वार्डन और अन्य कर्मचारियों के साथ बातचीत करेगी। एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने रविवार को कहा कि परिसर में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रोफेसर लिली दीवान कर रही हैं और इसमें प्रोफेसर जे.के। कपूर, प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, डॉ। संदीप सिंघल और डॉ। मनोज सिन्हा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया था कि दुबे की कथित आत्महत्या के बाद शुक्रवार रात को बीटेक प्रथम वर्ष की एक अन्य छात्रा ने भी कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था।

मूल रूप से महाराष्ट्र की निवासी छात्रा ने कथित तौर पर धमकी दी और छात्रावास की इमारत से कूदने की कोशिश की, लेकिन उसके सहपाठियों ने उसे रोक लिया।

संस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए और सभी छात्रों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए अगले आदेश तक अवकाश रहेगा। एनआईटी प्रशासन की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, उन्हें 19 अप्रैल तक अपने छात्रावास खाली करने होंगे। छात्रावासों में रह रहे लगभग 5,300 छात्रों में से 2,500 से अधिक छात्रों ने संस्थान के नोटिस के बाद शनिवार तक अपने कमरे खाली कर दिए। दूरदराज के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है।

प्रशासन ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षाओं समेत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की सूचना उचित समय पर दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा। हालांकि छात्रों का आरोप है कि पहले बनी जांच कमेटी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कुछ छात्रों ने यह भी कहा कि उन्हें मानसिक दबाव और परेशान किया जा रहा है। उनका दावा है कि एक प्रोफेसर ने यहां तक कह दिया कि ह्लअगर सुसाइड करना है तो कैंपस के बाहर करो।ह्व इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

इधर, बढ़ते विवाद के बीच एनआईटी प्रशासन ने 17 अप्रैल से 4 मई तक छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छात्रों को हॉस्टल खाली करने का नोटिस दिया गया है और कई छात्र अपना सामान पैक कर घर लौटते नजर आ रहे हैं। इस पर भी छात्रों ने नाराजगी जताई है और कहा है कि उन्हें जबरदस्ती घर भेजकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

सवाल उठता है कि एक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान में ऐसी क्या गड़बड़ी है कि भविष्य संवारने के लिए आए होनहार छात्र छात्राओं को सुसाइड करने की मजबूरी आन पड़ी है? इस के पीछे क्या संस्थान के शिक्षक प्रबंधन प्रशासन की कोई गड़बड़ी जिम्मेदार है या छात्रों के बीच में ही शेरों की खाल में कोई सियार छिपे हुए हैं और छात्र छात्राओं के साथ कोई अनैतिकता या अमानवीयता कर उन्हें सुसाइड करने के लिए मजबूर किया जा रहा है? की बार नशे के सौदागर और साइबर ठगी या निवेश के जाल मे फंसा कर ब्लेक मेल करने वाले गिरोह भी ऐसे वारदातों के पीछे जिम्मेदार हो सकते हैं। क्या वजह है कि सरकार ने एक के बाद एक हो रही सुसाइड की वारदातों को गंभीरता से नहीं लिया आखिर कब तक हमारे उच्च शिक्षा संस्थान होनहार बच्चों के सपनों को रौंद कर उनके जीवन से खिलवाड़ करते रहेंगे। जो भी हो इन सुसाइड मामलों की गंभीरता से जांच करानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जिला प्रशासन की अपील, भूसा दान के पुनीत कार्य में जनपदवासी सहयोग करें

अमरोहा (सब का सपना):- पूरे प्रदेश में गौशालाओं में संरक्षित गौवंश के लिए भूसा दान का अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में जनपद के प्रतिष्ठित एवं गणमान्य नागरिक सक्रिय रूप से आगे आ रहे हैं। मंडी धनौरा के व्यवसायी मनु अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्वेता अग्रवाल ने गुरुवार को पुनः 36 क्विंटल भूसा अस्थायी गौ आश्रय स्थल चुचैला कला में दान किया। इस अवसर पर धनौरा के उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे,

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभा दत्त, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपांक्षी तथा आजमपुर के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. भगेश सिंह उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने मनु अग्रवाल के निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

जिला प्रशासन द्वारा अपील की गई है कि भूसा दान के इस पुनीत कार्य में जनपद वासी सहयोग करें। ग्राम फूलपुर बीजलपुर के प्रधान द्वारा भी 50 क्विंटल भूसा दान किया गया है। धनौरा के ब्लॉक विकास अधिकारी को निर्देश दिया गया कि शेड का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराया जाए तथा गौवंश को गर्मी से बचाने के लिए तत्काल उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

दिव्यांगजन पुनर्वासन योजनाओं के लिए स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान के आवेदन आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत "दिव्यांगजन के सवार्गीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता" योजना के अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत दिव्यांगजन (मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रुग्ण दिव्यांगजन को छोड़कर) के पुनर्वासन के लिए सात प्रकार की परियोजनाओं पर कार्य करने वाले संगठनों को सहायता दी जाएगी। इनमें

अर्ली इंटरवेंशन सेंटर, डे केयर सेंटर/प्री-प्राइमरी स्कूल, प्राइमरी स्कूल स्तर तक के विद्यालय, जूनियर हाईस्कूल स्तर तक के विद्यालय, हाईस्कूल स्तर तक के विशेष विद्यालय, कौशल विकास (अधिकतम 04 ट्रेड तथा न्यूनतम 02 ट्रेड) और पाठ्य सामग्री विकास एवं पुस्तकालयों का संचालन शामिल है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अंतर्गत पंजीकृत और संबंधित क्षेत्र में अनुभव रखने वाले स्वैच्छिक संगठन इस योजना के लिए पात्र हैं। इच्छुक संस्थाएं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश की वेबसाइट https://uphwd.gov.inसे कार्यकारी आदेश, दिशा-निर्देश तथा आवेदन पत्र का प्रारूप डाउनलोड कर सकते हैं।जनपद अमरोहा में दिव्यांगता क्षेत्र में पंजीकृत इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाएं वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अनुदान प्रस्ताव दो प्रतियों में दो सप्ताह के अंदर जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, अमरोहा के कार्यालय में जमा कर सकती हैं।

डीएम-एसपी ने होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा के लिए बनाए केंद्रों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा जनपद में 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित कराई जाने वाली पुलिस होमगार्ड्स भर्ती 2025 परीक्षा के लिए बनाए गए केंद्रों कुन्दन मॉडल इण्टर कालेज, ऐ०के०के० इण्टर कालेज, जे०एस० हिंदू इंटर कॉलेज, भगवत सरन इण्टर कॉलेज जोया और सिख इण्टर कालेज नांरगपुर अमरोहा का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने परीक्षा की सुरक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता से संबंधित व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने परीक्षा केंद्रों पर बनाए गए सीसीटीवी कंट्रोल रूम और स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निगरानी व्यवस्था को लगातार सक्रिय रखने और हर गतिविधि पर सतर्क निगाह बनाए रखने के निर्देश दिए। नकल विहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में उन्होंने कहा कि परीक्षा के संबंध में भर्ती बोर्ड द्वारा जारी निदेर्शों का कड़ाई से शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं बेहतर प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। विद्युत के बैकअप के लिए जनरेटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों के आसपास भी साफ सफाई कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। अभ्यर्थियों के बैग, मोबाइल और अन्य सामान को सुरक्षित रखने के लिए क्लॉक रूम की व्यवस्था के निर्देश दिए। होमगार्ड भर्ती परीक्षा जनपद में 10 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी। प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यर्थी शामिल होंगे इस प्रकार कुल 28224 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 से 05:00 बजे तक प्रतिदिन दो पालियों में होगी। राजकीय बालिका इण्टर कालेज, कुन्दन मॉडल इण्टर कालेज, राजकीय इण्टर कालेज, ऐ०के०के० इण्टर कालेज, आई०एम० इण्टर कालेज, जे०एस० हिन्दू इण्टर कालेज, जे०एस०हिन्दू पी०जी०कालेज ब्लॉक-ए, जे०एस०हिन्दू पी०जी०कालेज ब्लॉक-बी, भगवत सरन, इण्टर कॉलेज जोया और सिख इण्टर कालेज नांरगपुर अमरोहा को केंद्र बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने आने वाले अभ्यर्थियों के लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, विद्यालयों के प्राचार्य सहित संबंधित उपस्थित रहे।

बीएसए ने छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी कराने वाले नोडल शिक्षकों को किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय सभागार में बेसिक शिक्षा अधिकारी जनपद अमरोहा डाक्टर मोनिका ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी कराने वाले जिले भर के 41 नोडल शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डाक्टर मोनिका ने अध्यापकों के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी छात्रों के जीवन में आमूल चूल परिवर्तन करने की प्रेरणा देते हुए बताया कि इस छात्रवृत्ति परीक्षा को पास करने वाले छात्र-छात्राओं को कक्षा 12 तक की पढ़ाई पूर्ण करने हेतु आगामी 4 वर्षों तक प्रतिवर्ष ड्12000 की छात्रवृत्ति के रूप में भारत सरकार द्वारा उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा की पूर्व में जनपद नोडल रही दिवंगत मीनू पवार के द्वारा इस योजना के लिए पूर्व में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना में जनपद अमरोहा के माध्यमिक शिक्षा विभाग व बेसिक शिक्षा विभाग को आवंटित 194 सीटों के सापेक्ष बेसिक शिक्षा विभाग अमरोहा से 165 छात्र- छात्राएं इस परीक्षा में सफल हुए । संविलियन विद्यालय अलीपुर खादर से सर्वाधिक 8 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ उन विद्यार्थियों को विद्यालय के अनुदेशक राकेश कुमार ने तैयारी कराने में अपना योगदान दिया, ब्लॉक धनौरा के पीएम श्री विद्यालय चकनवाला से 7 छात्र- छात्राओं का चयन नोडल शिक्षक अंजली त्यागी, उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहडपुर बगद से 6 छात्रों का चयन नोडल शिक्षक ललित कुमार, सविलियन विद्यालय वाजिदपुर से 5 छात्रों का चयन नोडल शिक्षक सचिन तंवर, तथा विकासखंड जोया से कंपोजिट विद्यालय अमरोहा देहात से 6 छात्रों का चयन नोडल शिक्षिका अलका सिंह के दिशा निर्देशन में हुआ है। अन्य ब्लॉकों के जिन विद्यालयों से

चौधरी फूल सिंह इंटर कॉलेज की छात्रा पलक ने 12वीं की परीक्षा में टॉप 10 में बनाई अपनी जगह

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम भदौरा में स्थित चौधरी फूल सिंह इंटर कॉलेज की छात्रा पलक ने 12वीं की परीक्षा में जिले में टॉप 10 में स्थान हासिल कर अपने गांव का नाम रोशन किया है। पलक की इस उपलब्धि पर उसका सम्मान किया गया। पलक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और गुरुजनों को दिया। उसने कहा कि वह भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना चाहती है। पलक ने बताया कि उसने अपनी सफलता के लिए कड़ी मेहनत की

है और उसके गुरुजनों व परिजनों ने उसे हमेशा प्रोत्साहित किया है। उसने कहा कि वह अपने परिवार और गुरुजनों के सपनों को पूरा करने के लिए आगे भी मेहनत करेगी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पलक को मिठाई खिलाकर उसका मुंह मीठा कराया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने पलक को उसकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि पलक की सफलता से अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे भी अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मेहनत करेंगे। इस अवसर पर पलक के पिता चौ परवीन सिंह, दादा चौ अशोक कुमार, चाचा नवीन कुमार, चाचा जयवीर सिंह और राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

साइबर फ्रॉड के शिकार युवक की पुलिस द्वारा कराई गई धनराशि वापस

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना नौगांवा सादात की साइबर टीम ने एक पीड़ित के साथ हुए 75,219 रुपये के साइबर फ्रॉड को सफलतापूर्वक निपटाते हुए पूरी धनराशि वापस कराई है।

देवकी नन्नदान पुत्र यदाराम निवासी ग्राम अकबरपुर पट्टी थाना नौगांवा सादात के खाते से साइबर ठगों ने धोखाधड़ी कर 75,219 रुपये का फ्रॉड किया था। पीड़ित ने थाना पुलिस में शिकायत संख्या-33104260087420 दर्ज कराई, जिसे ठउफ्ह पोर्टल पर भी रजिस्टर

किया गया। थाना साइबर सेल ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए जनपदीय साइबर सेल अमरोहा से समन्वय स्थापित किया और पीड़ित के 75,219 रुपये उसके खाते में वापस कराये। पीड़ित ने खुशी का इजहार करते हुए थाना नौगांवा सादात पुलिस का धन्यवाद किया है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अपने खातों से संबंधित या अन्य ओ.टी.पी./ पासवर्ड आदि व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा लुभावने ऑफर आदि को बिना जांचे किसी लिंक या एप्लीकेशन पर भ्रमित न हों, यह ऑनलाइन धोखाधड़ी का तरीका हो सकता है। जागरूक रहें और इस जानकारी को अपने आस-पास के लोगों में साझा करें ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके।

मेधावी छात्रा महक ने बोर्ड परीक्षा में किया शानदार प्रदर्शन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ए एस एम बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, खाता में पढ़ने वाली कक्षा 12 की मेधावी छात्रा महक ने बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 90.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल कॉलेज बल्कि पूरे जनपद का नाम रोशन कर दिया है। महक पुत्री हरकेश सिंह ने टॉप 10 लिस्ट में जगह बनाकर सभी को हैरान कर दिया। छात्रा महक ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन से यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने बताया कि नियमित पढ़ाई, समय प्रबंधन और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें सफलता दिलाई। परिवार के सहयोग को भी उन्होंने सफलता का प्रमुख

कॉलेज प्रबंधन में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रधानाचार्य वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने महक को विशेष रूप से बधाई देते हुए मिठाई खिलाई और ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ह्लमहक जैसी छात्राएं कॉलेज के लिए गौरव का विषय हैं। उनकी प्रेरणा स्रोत बनेगी।ह्व प्रधानाचार्य ने इस दौरान अन्य मेधावी छात्रों को भी प्रोत्साहित किया और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई। कॉलेज के शिक्षकों ने भी महक की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह परिणाम संस्थान की

बेहतर शिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है। महक की इस उपलब्धि से पूरे कॉलेज परिसर में उत्साह का माहौल है। अभिभावक और छात्र-छात्राएं महक को बधाई दे रहे हैं। जनपद स्तर पर भी इस सफलता की चर्चा हो रही है।

अमरोहा में बाल सुरक्षा व कानूनी जागरूकता पर शिविर का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा अभिषेक कुमार व्यास के तत्वाधान में गुरुवार को "बाल सुरक्षा व कानूनी जागरूकता" विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कैंप का आयोजन ज्योति शिक्षा सदन इंटर कॉलेज, अमरोहा में किया गया। यह कार्यक्रम डीएलएसए सचिव एवं न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उनके अधिकारों, बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनों तथा कानूनी सहायता की उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर

लोकमान सिंह, प्रथम सिंह, महेश सिंह, प्रवीन कुमार और प्रीति ने उपस्थित छात्रों को सरल भाषा में महत्वपूर्ण कानूनी जानकारियां दीं।कैंप में विद्यालय के प्रधानाचार्य, छात्राएं उपस्थित रहे। प्रतिभागियों की संख्या लगभग 100 रही। वक्ताओं ने बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने, किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करने और विधिक सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने भी अपने प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। विद्यालय प्रशासन ने डीएलएसए टीम का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को भविष्य में भी आयोजित करने की इच्छा जताई। यह कैंप विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

प्राथमिक विद्यालय बिजनपुर में पूर्व छात्रों के कक्षा 10 व 12 में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मनाई गई खुशियां

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय बिजनपुर के प्रांगण में विद्यालय के पूर्व छात्रों द्वारा हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने बताया कि उनके विद्यालय से पढ़े हुए कुछ छात्रों ने अब हाई स्कूल और इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पुष्पेंद्र कुमार ने कक्षा 10 में 84% अंक प्राप्त कर अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि

कुमारी तरन्नुम ने हाई स्कूल में 78 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। अन्य पूर्व छात्रों में मोमराज सिंह ने कक्षा 10 और जगमोहन खड़कवंशी ने कक्षा 12 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों का भी नाम रोशन किया है। प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने बताया कि इन छात्रों की सफलता से विद्यालय परिवार को बहुत गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन छात्रों की मेहनत और अध्यापकों के प्रयास से ही यह सफलता मिली है।

उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान पुत्र नौशाद अहमद, छात्र-छात्राओं के अभिभावक योगेश कुमार, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने सभी छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

उत्तर प्रदेश परिवहन की बस सेवा शुरू, गांव को शहर से जोड़ा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने गांव को शहर से जोड़ने के प्रोग्राम के तहत ग्राम तहसील क्षेत्र के गांव जेवड़ा शाहबाजपुर को आजादी के 50 साल बाद पहली बार बस सेवा शुरू की है। यह बस सहवाजपुर से चलकर हाकमपुर, हत्या खेड़ा, तीसरा मिल से होते हुए हसनपुर गजरौला से आनंद विहार दिल्ली तक जाएगी। जिसके बाद यह बापस आनंद विहार से 10:30 पर इसी रूट से 1:00 बजे साहबाजपुर बस पहुंच जाती है। दिल्ली से इस कनेक्टिविटी के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र को बहुत बड़ा लाभ हुआ

है।

जिसके लिए क्षेत्र वासियों ने तहे दिल से उत्तर प्रदेश सरकार व उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग का आभार व्यक्त किया है।

वहीं ग्राम प्रधान बबली ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी को भी दिल्ली की तरफ जाना है या गजरौला तरफ जाना है तो इस बस के माध्यम से ही जाएं, ताकि यह बस बंद ना हो और लगातार चलती रहे। अधिक जानकारी के लिए बस के ड्राइवर और कंडक्टर के फोन नंबर भी जारी किए गए हैं जिसमें ड्राइवर का फोन नंबर 9759597957 व बस कंडक्टर का फोन नंबर 8171928979 है। जिस पर आप फोन के माध्यम से भी जानकारी कर सकते हैं। इस बस सेवा के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को दिल्ली और गजरौला जाने के लिए एक अच्छा विकल्प मिल गया है।

होमगार्ड परीक्षा को लेकर डीएम व एसपी ने किया केंद्रों का निरीक्षण, दिए कड़े निर्देश

संभल (सब का सपना): - जनपद में आगामी होमगार्ड भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने गुरुवार को थाना हयातनगर क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, बैठने की उचित व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं अभ्यर्थियों के सुगम प्रवेश जैसी व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वहीं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय रहते व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि परीक्षा के दिन अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के थाना कैला देवी क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और परिजनों में चिंता व्याप्त हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निर्यावली, ब्लॉक पंवासा निवासी ओमवीर (30) पुत्र विजय पाल अपनी मोटरसाइकिल से गांव कुंवरी स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे। बताया जा रहा है कि रास्ते में अचानक किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ओमवीर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही राहगीरों ने तत्काल एम्बुलेंस सेवा को बुलाया। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस टीम ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया।

डॉक्टरों के अनुसार, घायल युवक शराब के नशे में प्रतीत हो रहा था, जिससे हादसे के कारणों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।

प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल चिकित्सकों ने परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और युवक को लेकर चले गए।

भीषण गर्मी से बचाव को लेकर प्रशासन अलर्ट, एडीएम ने जारी की एडवाइजरी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में बढ़ती भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निदेर्शानुसार अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा द्वारा लू से बचाव के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है।

जारी एडवाइजरी में बताया गया है कि लू के कारण जनहानि की संभावना रहती है, इसलिए सभी नागरिकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच कड़ी धूप में बाहर निकलने से बचें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। प्यास न लगने पर भी समय-समय पर पानी का सेवन करते रहना चाहिए।

अधिकारियों ने हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने, बाहर निकलते समय गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा और जूते-चप्पल का उपयोग करने की सलाह दी है। यात्रा के दौरान पानी साथ रखने और बाहर कार्य करने की स्थिति में गीले कपड़े को चेहरे, सिर व गर्दन पर रखने की भी हिदायत दी गई है।

एडवाइजरी में कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति को चक्कर, घबराहट या तबीयत खराब महसूस हो तो तुरंत नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें। घर पर लस्सी, छाछ, नींबू पानी, नमक-चीनी का घोल एवं आम पना जैसे तरल पदार्थों का सेवन लाभकारी बताया गया है।

प्रशासन ने पशुपालकों को भी निर्देश दिए हैं कि वे अपने जानवरों को छांव में रखें और उन्हें नियमित रूप से पानी पिलाते रहें। घरों को ठंडा रखने के लिए रात में खिड़कियां खोलने, दिन में गर्म हवा रोकने के लिए खिड़कियों पर पर्दे या एल्युमिनियम पन्नी लगाने की सलाह दी गई है।

इसके अलावा शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थों से बचने, बासी भोजन का सेवन न करने तथा धूप में खड़े वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ने की सख्त हिदायत दी गई है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे स्थानीय मौसम पूवार्नुमान पर नजर रखें और तापमान में हो रहे बदलाव के अनुसार सावधानी बरतें, ताकि लू के प्रकोप से सुरक्षित रहा जा सके।

बाल सुरक्षा को लेकर बहजोई में गोष्ठी आयोजित, अधिकारियों ने दिए अहम निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश के अनुपालन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत के निर्देश पर गुरुवार को पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) ने की। इस बैठक में बाल कल्याण समिति बहजोई, जिला प्रवेशन अधिकारी, सहायक श्रम आयुक्त, प्रभारी आरपीएफ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरी शंकर चौधरी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं जनपद सम्भल के समस्त बाल कल्याण अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोष्ठी के दौरान बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, पॉक्सो (POCSO) अधिनियम, गुमशुदा बच्चों, अनैतिक व्यापार तथा भिक्षावृत्ति जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने इन अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी रणनीति बनाने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

इसके साथ ही शासन एवं प्रशासन द्वारा संचालित अभियानों जैसे ऑपरेशन रक्षा, मिशन शक्ति, ऑपरेशन मुस्कान और बाल श्रम उन्मूलन अभियान पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। संबंधित अधिकारियों को इन अभियानों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान बाल विवाह रोकने में सराहनीय कार्य करने वाले उपनिरीक्षक बाबूराम सैनी (थाना एएचटी) को अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) द्वारा प्रतीक चिन्ह (ट्रॉफी) देकर सम्मानित किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों की रक्षा समाज और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है, जिसके लिए सभी विभागों को मिलकर सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा।

विश्व पुस्तक दिवस पर डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल में हुआ प्रेरक कार्यक्रम

बबराला/संभल (सब का सपना):- जनपद के डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, बबराला में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सब कार्य छोड़कर पढ़ो गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य आनन्द स्वरूप सारस्वत ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मित्र और मार्गदर्शक होती हैं, जो जीवन में सही दिशा देने के साथ व्यक्तित्व का समग्र विकास करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित पठन की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की संयोजिका एकता द्विवेदी ने पठन को ज्ञान के साथ-साथ कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने वाला माध्यम बताया, वहीं सह-संयोजिका अन्ना बेट्टी थामस ने कहा कि हर पुस्तक एक नए संसार से परिचित कराती है।

इस अवसर पर छात्रा अनिष्का सूरज नायर ने पुस्तकों के महत्व पर प्रभावशाली विचार रखे। कक्षा 12 की छात्राओं ने संवादात्मक प्रस्तुति के माध्यम से पुस्तक के महत्व को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया, जबकि कक्षा 10 के छात्र अविनाश ने पुस्तकों से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य साझा किए। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि सभी विद्यार्थियों ने करीब 25 मिनट तक शांतिपूर्वक अपनी पसंदीदा पुस्तकों का पठन किया, जिससे उनमें एकाग्रता और पढ़ने की रुचि बढ़ी। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंग्रेजी विभाग के विनय कुमार और कंचन जौहरी का विशेष योगदान रहा। अंत में आज का पाठक, कल का नेता संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

यूपी प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में संभल के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, जीते पदक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- 29वीं यूपी प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप, अयोध्या (13 से 16 अप्रैल 2026) में जनपद संभल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इंडोर शूटिंग रेंज बहजोई से कुल 14 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें सभी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाई किया।

प्रतियोगिता में गौरव ने करऋसब यूथ एयर राइफल कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि युवराज ने इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा ठफसब यूथ मेन इंडिविजुअल एयर राइफल कैटेगरी में नैतिक तिवारी ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर जनपद का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता से लौटने पर संभल में खिलाड़ियों का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने मेडल विजेताओं को सम्मानित करते हुए सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में शूटिंग कोच मयंक कुमार, नीरज कुमार और सतीश तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शूटिंग कोच मयंक कुमार ने बताया कि सभी खिलाड़ी आगामी भोपाल और दिल्ली में आयोजित होने वाली डरर प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में इंडोर शूटिंग रेंज बहजोई से और भी बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस आयोजित, वैज्ञानिकों व अधिकारियों ने दी अहम जानकारी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर बहजोई के सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों एवं बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक डॉ. महावीर सिंह ने किसानों को वर्तमान मौसम के अनुरूप फसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ढैचा, मूंग, उड़द, सवाँ जैसी फसलों का चयन करने से भूमि की उर्वरता बनी रहती है। साथ ही मैंथा, गन्ना, धान व मक्का जैसी फसलों की उन्नत खेती, खरपतवार नियंत्रण एवं सिंचाई प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया। किसानों को यूरिया के अधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति भी सचेत किया गया। इसके अलावा सब्जी फसलों में सफेद मक्खी से बचाव के उपाय भी बताए गए।

बैठक के दौरान किसानों ने बिजली आपूर्ति, जर्जर लाइनें, बिना अनुमति स्मार्ट मीटर लगाए जाने, केसीसी ऋण पर मिलने वाली सब्सिडी में देरी सहित कई समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे के पास की जमीनों के सर्किल रेट बढ़ाने और बिजली फीडर क्षमता बढ़ाने की मांग भी की गई।

जिला गन्ना अधिकारी ने गन्ना विभाग की योजनाओं एवं उन्नत प्रजातियों की जानकारी दी, वहीं सहकारिता विभाग द्वारा खाद व उर्वरकों की उपलब्धता पर प्रकाश डाला गया। फसल बीमा योजना, उद्यान विभाग की योजनाओं तथा अन्य सरकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी किसानों को दी गई। उप कृषि निदेशक ने पीएम सूर्यघर योजना के तहत रूफटॉप सोलर एवं पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत सोलर पंप के लाभ बताए। साथ ही कृषि यंत्रीकरण, मिलेट्स (श्री अन्न) योजना एवं फसल विविधीकरण अपनाने पर जोर दिया गया। किसानों को पराली न जलाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया गया।

अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों से फसल बीमा का लाभ लेने, विविध खेती अपनाने तथा निराश्रित गौशालाओं में भूसा दान करने की अपील की। उन्होंने एफपीओ से किसानों के हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान भी किया।

चोरी के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस ने किया खुलासा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में चोरी के एक मामले का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई।

थाना बहजोई पुलिस टीम ने मुकदमे में प्रकाश में आए अभियुक्त फैजान (29) पुत्र मेहरबान को ग्राम सादातबाड़ी की ओर जाने वाले रास्ते के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित शिखर वार्ष्णेय पुत्र स्वर्गीय दिनेशचंद निवासी गोलागंज, बहजोई ने 24 जनवरी को थाना बहजोई में तहरीर देकर बताया था कि 11 जनवरी की रात अज्ञात चोर ने उनकी दुकान की पीछे की दीवार तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। चोर दुकान से एक लैपटॉप, दो बैटरियां, एक इन्वर्टर तथा लगभग 10 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गया था।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्य एकत्र कर अभियुक्त की पहचान की और गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

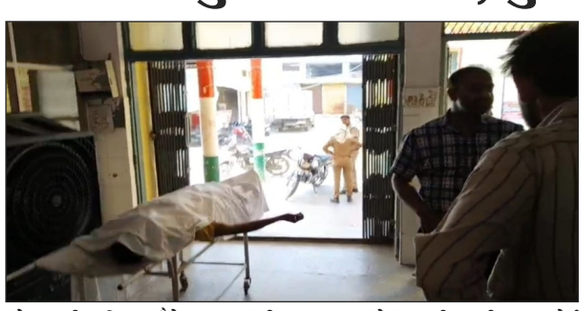

बहजोई/संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रतनदीप (35) निवासी भोजा नगला, जनपद हाथरस, जो वर्तमान में बहजोई स्थित सुगंध वाटिका के पीछे बनी कॉलोनी में रह रहा था, उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बहजोई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस के माध्यम से युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

माकपा ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन, प्रदेश में विपक्षी दलों के दमन और स्मार्ट मीटर लगाने का किया विरोध

बिजनौर (सब का सपना):- भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की स्योहारा शाखा के कार्यकताओं ने प्रदेश में व्याप्त विभिन्न समस्याओं और लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन को लेकर महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन स्थानीय प्रशासन को सौंपा। पार्टी कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों और जन-संगठनों द्वारा की जाने वाली शांतिपूर्ण सभाओं और प्रदर्शनों पर प्रशासन द्वारा अघोषित रोक लगाई जा रही है, जो कि पूरी तरह से असंवैधानिक है। ज्ञापन में विशेष रूप से नोएडा में वेतन वृद्धि और बेहतर कार्यदशाओं की मांग कर रहे मजदूरों के दमन का मुद्दा उठाते हुए गिरफ्तार नेताओं व सामाजिक कार्यकताओं की तत्काल रिहाई और उन पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग की गई। इसके साथ ही कार्यकताओं ने प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों का कड़ा विरोध करते हुए इन्हें तुरंत हटाने की मांग भी शासन के सामने रखी।

इस अवसर पर कार्यकताओं ने एकजुट होकर कहा कि जनता की जायज मांगों के लिए किए जा रहे आंदोलनों को पुलिस के बल द्वारा कुचलना बंद होना चाहिए और सरकार को मजदूरों व किसानों की समस्याओं पर सहानुभूति पूर्वक विचार करना चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से डॉ. अब्दुल हमीद, कामरेड इसरार अहमद, कामरेड इंद्र कुमार शर्मा, फरीद अहमद, कामरेड मोहम्मद तय्यब, अकील अहमद, दौलत सिंह, राजकुमार, मोहम्मद आरिफ, खलील अहमद, अनवार हुसैन, जरीफ अहमद, लईक खां, मतलूब जलील, अबदुल हमीद, मुंशी असद और मशकूर अहमद सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

बिजनौर की बेटी श्रुति शर्मा बनीं हापुड़ की सीडीओ, प्रभावी कार्यशैली से बनाई अलग पहचान

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद की होनहार आईएएस अधिकारी श्रुति शर्मा को हापुड़ का मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) नियुक्त किए जाने पर जिले में खुशी की लहर है। उनकी नियुक्ति को न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि बल्कि पूरे बिजनौर के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है। आपको बता दे कि श्रुति शर्मा ने देवरिया में करीब 19 माह तक अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक कार्यों को गति देने, विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल को जिले में ऊजार्वान, पारदर्शी और परिणामोन्मुख प्रशासनिक शैली के रूप में देखा गया।

उन्होंने 30 अगस्त 2024 को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यभार संभाला था। उस समय अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके नेतृत्व से जिले में प्रशासनिक गति बढ़ने की उम्मीद जताई थी, जिस पर वे काफी हद तक खरी भी उतरीं।

वर्ष 2022 बैच की आईएएस अधिकारी श्रुति शर्मा ने यूपीएससी परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त कर उन्होंने देशभर में पहचान बनाई और युवाओं के लिए प्रेरणा बनीं।

वर्तमान में अवकाश पर चल रहीं श्रुति शर्मा को अब हापुड़ जिले में सीडीओ के रूप में तैनात किया गया है। इस पद पर उन्हें जिले में विकास कार्यों की निगरानी, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्रामीण विकास को गति देने जैसी अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उनकी इस उपलब्धि पर बिजनौर समेत उनके पैतृक क्षेत्र बास्ता में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों और शिक्षाविदों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

श्रुति शर्मा की सफलता और कार्यशैली यह साबित करती है कि समर्पण, मेहनत और स्पष्ट दृष्टिकोण से प्रशासन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

ईवीएम स्ट्रांग रूम का डीएम ने किया निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त, पेयजल की समस्या पर दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिला निर्वाचन व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम स्ट्रांग रूम का मासिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

जिलाधिकारी ने ईवीएम स्ट्रांग रूम के बाहर लगे सील्ड ताले, सुरक्षा प्रबंध, अग्निशमन व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं की गहन जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी व्यवस्थाएं लगातार सुचारू रूप से संचालित रहें।

इसके बाद जिलाधिकारी ने झंडापुर स्थित वीवी पेट वेयरहाउस का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने सुरक्षा, साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मौजूद विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष जताया।

निरीक्षण के दौरान सुरक्षा कर्मियों ने वीवी पेट स्ट्रांग भवन में स्वच्छ पेयजल की समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराया। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्देशित किया कि समरसेबल की खराब मोटर को शीघ्र ठीक कराया जाए। साथ ही मोटर ठीक होने तक कैंपर के माध्यम से नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन से जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी स्वीकार

युवती हत्याकांड में पुलिस की सख्ती, मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

बिजनौर (सब का सपना):- कांशीराम कॉलोनी में दिनदहाड़े हुई युवती की हत्या के मामले में पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका कशिश की मां शाहीन की तहरीर पर शहर कोतवाली पुलिस ने आरोपी राहुल के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं घायल आरोपी का इलाज मेरठ में पुलिस निगरानी में चल रहा है।

घटना मंगलवार को कांशीराम कॉलोनी के ब्लॉक-55 स्थित मकान में हुई, जहां कशिश (पुत्री जाकिर) घर पर अकेली थी। इसी दौरान आरोपी राहुल घर में घुसा और धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि घटना के समय मृतका की मां शाहीन अपनी छोटी बेटी नमीरा को लेने अंबाला गई हुई थीं।

घटना के बाद मौके पर भीड़ जुटने लगी तो आरोपी राहुल ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और खुद को भी घायल कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर कर दिया गया, जहां पुलिस की निगरानी में उसका इलाज जारी है।

घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बुधवार को अस्र की नमाज के बाद कशिश के शव को मोहल्ला मिर्दगान स्थित बड़े कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया।

इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष जाकिर हुसैन ने निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शहर कोतवाली प्रभारी रामप्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नूरपुर की बेटी सांची राजपूत बनीं टॉपर, 91.5% अंक हासिल कर जनपद में दसवां स्थान

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नूरपूर क्षेत्र के गांव रवाना शिकारपुर से एक गर्व भरी खबर सामने आई है। सांची राजपूत ने कक्षा 10 की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 91.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में शीर्ष स्थान हासिल किया है, साथ ही जनपद में दसवां स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

परिवार और क्षेत्र का बढ़ाया मान

उनकी इस सफलता से परिवार, स्कूल और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। लोगों ने इसे गांव और जनपद के लिए गौरव का क्षण बताया है। सांची न्यू आईडिया पब्लिक स्कूल शाखा गौरी शंकर इंटर कॉलेज की छात्रा हैं। अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करते हुए उन्होंने अनुशासन और मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। विद्यालय प्रबंधन की ओर से प्रबंधक मयंक चौधरी ने सांची को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेहनत और लगन का परिणाम

शिक्षकों के अनुसार सांची शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और समर्पित रही हैं। नियमित अध्ययन और स्पष्ट लक्ष्य ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। स्थानीय लोगों और शिक्षकों ने सांची की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है।

अपहरण के बाद की गई हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा थाना क्षेत्र में युवक के अपहरण के बाद हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर मृतक का शव, चप्पल और मोटरसाइकिल बरामद कर ली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बेरखेड़ा टांडा निवासी सुरेंद्र सिंह ने 19 अप्रैल 2026 को थाना स्योहारा में तहरीर देकर बताया था कि उनके पुत्र मनोज कुमार उर्फ मोनू का दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया है। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थीं। विवेचना के दौरान पुलिस ने करीब 20 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनके आधार पर दो संदिग्धों की पहचान हुई। इसके बाद साक्ष्यों के आधार पर मामले में गंभीर धाराएं बढ़ाई गईं। और गुरुवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों अनुज कुमार निवासी शरीफपुर और नितिन कुमार निवासी कादराबाद खुर्द को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों की निशानदेही पर मृतक का शव, चप्पल और उसकी काले रंग की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 17 अप्रैल को वे नवादा चुंगी पर एकत्र होकर शराब पी रहे थे। बाद में वे बेरखेड़ा के जंगल में चले गए, जहां दोबारा शराब पी गई।

इसी दौरान आपसी विवाद हो गया और मृतक द्वारा गाली-गलौज करने पर आवेश में आकर आरोपियों ने उसकी पिटाई कर गला दबाकर हत्या कर दी।

गिरफ्तार आरोपी अनुज कुमार के खिलाफ पहले भी चोरी और अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज होना सामने आया है। इस पूरे मामले के खुलासे में थाना स्योहारा पुलिस टीम की अहम भूमिका रही, जिसमें प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने सक्रियता से कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ हुंकार, 8 दिन में मीटर नहीं हटे तो होगा बड़ा आंदोलन

पूर्व विधायक के नेतृत्व में महिलाओं ने घेरा बिजली विभाग का कैंप, पुराने मीटर लगाने की मांग पर अड़े

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना) दो दिन पूर्व बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता (XEN) कार्यालय पर अधिकारियों के न मिलने से आक्रोशित महिलाओं का गुस्सा बुधवार को फूट पड़ा। चचरई रोड स्थित 'पाठक जी की टाल' पर आयोजित बिजली विभाग के कैंप में पूर्व विधायक चौधरी होशियार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी और महिलाएं एकत्र हुईं। भारी विरोध को देखते हुए पूर्व विधायक ने विभाग को 8 दिन का अल्टीमेटम दिया है, जिसके बाद महिलाओं ने धरना समाप्त किया।गौरतलब है कि दो दिन पूर्व क्षेत्र की दर्जनों महिलाएं अपनी बिजली समस्याओं को लेकर जहांगीराबाद स्थित एक्शन ऑफिस पहुंची थीं, लेकिन वहां कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिला। इसी के विरोध में बुधवार को जहांगीराबाद में आयोजित कैंप का घेराव किया गया। प्रदर्शनकारी महिलाओं का स्पष्ट कहना था कि स्मार्ट मीटर तेज चलते हैं और भारी-भरकम बिल आ रहे हैं, जिससे आम जनता का बजट बिगड़ गया है।

पुराने मीटर की बहाली की मांग

धरने को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक चौधरी होशियार सिंह ने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की है कि सभी घरों से तत्काल प्रभाव से स्मार्ट मीटर हटाए जाएं। उनके स्थान पर पूर्व की भांति पुराने मीटर लगाए जाएं। गलत बिलों में सुधार किया जाए और उपभोक्ताओं को परेशान करना बंद हो। कैंप में मौजूद विभागीय अधिकारियों के सामने अपनी बात रखते हुए चौधरी होशियार सिंह ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि 8 दिनों के भीतर स्मार्ट मीटर हटाने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई, तो पूरे जिले में एक बड़ा जन-आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा, "यह शांतिपूर्ण प्रदर्शन केवल एक शुरूआत है, अगर विभाग ने अपनी कार्यप्रणाली नहीं बदली तो इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।" पूर्व विधायक के कड़े रुख और आश्वासन के बाद महिलाओं ने अपना धरना समाप्त किया। प्रदर्शन में मुख्य रूप से क्षेत्र की सम्मानित महिलाएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में उपभोक्ता मौजूद रहे।

धर्मशिला नारायणा अस्पताल ने बुलंदशहर में बच्चों के लिए सुपरस्पेशियलिटी ओपीडी की शुरूआत की

बुलन्दशहर (सब का सपना):- धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली ने बुलंदशहर में प्रनिल हेल्थकेयर के सहयोग से एक नई सुपरस्पेशियलिटी ओपीडी की शुरूआत की है। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में उन्नत बाल चिकित्सा सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से अनुभवी बाल रोग और पीडियाट्रिक हीमैटोलॉजी ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ अब उन परिवारों के और करीब उपलब्ध होंगे, जिन्हें अब तक विशेषज्ञ परामर्श के लिए महानगरों की यात्रा करनी पड़ती थी।

यह सुपरस्पेशियलिटी ओपीडी बच्चों में होने वाली सामान्य और जटिल दोनों प्रकार की बीमारियों की शीघ्र पहचान और विशेषीकृत चिकित्सा देखभाल को समर्थन देने के लिए तैयार की गई है। बार-बार होने वाले संक्रमण, बार-बार बीमार पड़ना, कमजोर इम्युनिटी, वृद्धि और विकास से जुड़ी समस्याएं, नवजात शिशुओं की जटिलताएं, दौरे (सीजर्स), रक्त से संबंधित रोगों के साथ-साथ बचपन के कैंसर जैसी जटिल बीमारियों में समय पर निदान और दीर्घकालिक विशेषज्ञ फॉलो-अप की आवश्यकता होती है।

इस अवसर पर डॉ. बिलाल खान, सीनियर कंसल्टेंट एवं इंचार्ज, पीडियाट्रिक्स और पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर (PICU) ने कहा कि "बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए समय पर विशेषीकृत बाल चिकित्सा देखभाल अत्यंत महत्वपूर्ण है। बुलंदशहर में इस सुपरस्पेशियलिटी ओपीडी के माध्यम से हमारा उद्देश्य बीमारियों की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार और निरंतर चिकित्सा देखभाल को सुनिश्चित करना है, ताकि परिवारों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन अपने घर के पास ही उपलब्ध हो सके"।

वहीं डॉ. मेघा सारोहा, सीनियर कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक हीमैटोलॉजी ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट (BMT) ने कहा कि "कई जटिल बाल रोगों में लंबे समय तक फॉलोड्डअप की आवश्यकता होती है। बुलंदशहर में सुपरस्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार के माध्यम से हम उन्नत चिकित्सा विशेषज्ञता और क्षेत्रीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं, ताकि बच्चों और उनके परिवारों के लिए विशेष इलाज अधिक सुलभ और कम बोझिल हो सके।"

इस सुपरस्पेशियलिटी ओपीडी की शुरूआत के साथ अब बुलंदशहर और आसपास के क्षेत्रों के निवासी अपने बच्चों के लिए विशेषज्ञ परामर्श और निरंतर चिकित्सा देखभाल अपने ही शहर में प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल धर्मशिला नारायणा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की महानगरों से बाहर भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और क्षेत्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

नरेन्द्रपुर से बालक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता, पांच दिन बाद भी नहीं लगा कोई सुराग

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- नरसेना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी बालक के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पांच दिन बीत जाने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग सका है जिससे परिजनों में चिंता और बेचैनी बढ़ती जा रही है। थाना क्षेत्र के नरेन्द्रपुर गांव निवासी गणेश पुत्र जीत जिसकी उम्र करीब 12 वर्ष बताई जा रही है, अचानक घर से लापता हो गया। परिजनों के अनुसार बालक मानसिक रूप से कमजोर है, और बिना बताए घर से निकल गया जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिवार के लोग और ग्रामीण लगातार आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश कर रहे हैं लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिल सकी है। परिजनों ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को उक्त बालक कहीं दिखाई दे तो तुरंत गांव या ग्राम प्रधान को सूचना दें ताकि उसे सकुशल वापस लाया जा सके। घटना के बाद से परिवार का रो रोकर बुरा हाल है और सभी उसकी सुरक्षित वापसी की उम्मीद लगाए हुए हैं।

नवागत जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने की प्रेस वार्ता

जनसमस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में नवागत जिलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर जनपद के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रतिनिधियों का जिलाधिकारी ने स्वागत करते हुए संवाद की शुरूआत की।

प्रेस वार्ता के दौरान जिलाधिकारी ने प्रशासन की प्राथमिकताओं, जनहित से जुड़े मुद्दों और विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

इस दौरान पत्रकारों ने जनपद से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इनमें निजी स्कूलों में बढ़ती ड्रेस फीस, शहर एवं कस्बों में अतिक्रमण की समस्या, मंदिरों की व्यवस्थाएं और आमजन से जुड़े अन्य मुद्दे शामिल रहे। पत्रकारों ने जिलाधिकारी को इन समस्याओं से अवगत कराते हुए अपेक्षा जताई कि प्रशासन इन पर गंभीरता से कार्रवाई करेगा।

जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने सभी बिंदुओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों को निर्देशित कर समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मीडिया प्रशासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है, और सकारात्मक सहयोग से जनपद के विकास को गति दी जा सकती है।

प्रेस वार्ता सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय की उम्मीद जताई गई।

विद्युत लाइनमैन करंट लगने से झुलसा

लाइनमैन को करंट लगने की एक हफ्ते में यह दूसरी घटना

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- बिजली लाइन में खराबी ठीक करते समय एक विद्युत लाइनमैन करंट लगने से झुलस गया। लाइनमैन को गंभीर हालत में गुलावठी सीएचसी से हायर मेडिकल सेंटर रेफर किया गया है। गांव हुसैनपुर निवासी शाहनावाज गुलावठी लोकल में कोल्ड स्टोरेज की 11 हजार वोल्ट लाइन के फीडर पर काम कर रहे थे। उन्होंने काम शुरू करने से पहले शटडाउन ले रखा था। अधिकारियों के अनुसार, शटडाउन के बावजूद 11 हजार वोल्ट की लाइन में रिटर्न करंट आ गया। इसी के चलते शाहनावाज

करंट की चपेट में आकर झुलस गए और नीचे गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद बिजलीकर्मी आनन-फानन में शाहनावाज को गुलावठी के सरकारी अस्पताल ले गए। वहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। सीएचसी के डॉक्टर डॉ. अरुण ने बताया कि शाहनावाज करंट लगने से झुलसे हैं और उनकी हालत गंभीर है। विद्युत विभाग के एसडीओ यशपाल सिंह ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज फीडर पर काम करते समय रिटर्न करंट आने से लाइनमैन घायल हुआ है।

उन्होंने पुष्टि की कि शाहनावाज ने शटडाउन लिया था, लेकिन कभी-कभी 11 केवी लाइन में रिटर्न करंट आ जाता है, जिसका शिकार शाहनावाज हुए। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि इसी साल 18 अप्रैल को भी ईसेपुर के लाइनमैन रविंद्र करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे और तब से जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे हैं।

झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

बुलन्दशहर (सब का सपना):- चोला क्षेत्र के एक ओ यो होटल में शादी का झांसा देकर महिला के साथ शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। कोतवाली नगर थाना क्षेत्र की महिला ने दर्ज कराए मुकदमे में बताया कि करीब चार महीने पहले उसके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने अपना नाम गजेंद्र भाटी पुत्र नानकचंद निवासी ग्राम सोलडा, जिला पलवल बताया। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू

हो गई और आरोपी ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। आरोप है कि 9 अप्रैल को गजेंद्र भाटी ने महिला को फिर से होटल में बुलाया और लगातार संबंध बनाए। जब पीड़िता ने शादी करने की बात कही, तो आरोपी आगबबूला हो गया। आरोप है कि गजेंद्र ने महिला के साथ मारपीट की और शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। सीओ भास्कर मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी गजेंद्र के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। चोला थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तारी कर न्यायायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

बृजघाट पर श्रृद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया मां गंगा जन्मोत्सव, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ब्रजघाट पुल के नीचे पतित पावनी माँ गंगा के पावन तट पर श्री गंगा जन्मोत्सव श्रद्धा,भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

बता दें कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे हवन-यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें विश्व कल्याण एवं जन-समृद्धि की कामना की गई। हवन-यज्ञ की पूर्णाहुति के उपरांत दोपहर 12:00 बजे माँ गंगा की भव्य आरती की गई तथा दुग्ध अभिषेक कर माँ गंगा का पूजन-अर्चन किया गया।इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने माँ गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। तपती दोपहरी में शीतल गंगाजल में स्नान कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। तत्पश्चात राजभोग, भंडारा एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम जारी रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से चौधरी दिवाकर सिंह, शेर सिंह राणा, जितेंद्र राणा, टीकाराम सिंह, भोजराम सिंह, जिला अध्यक्ष राहुल यादव, सुरेश बिश्नोई, आयरन सिंह, प्रियंका भटनागर, नीतू कुमारी, बबीता रानी, संगीता गर्ग, चौधरी धर्मवीर सिंह, चौधरी नेमपाल सिंह, इंद्रपाल सिंह, गोपाल सिंह, रमेश सिंह, सत्येंद्र चौधरी, सत्यवीर चौधरी, समरपाल सैनी, एहसान, आफताब, सुखबीर भगत जी, पप्पू, नरेश चौधरी, मदन सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति आस्था का प्रतीक है। उन्होंने सभी से अपील की कि मोक्षदायिनी माँ गंगा की पवित्रता बनाए रखने हेतु तट एवं जल में प्लास्टिक, कपड़े अथवा अन्य गंदगी न डालें तथा दूसरों को भी ऐसा करने से रोकें।उन्होंने यह भी कहा कि संगठन विगत दो वर्षों से तिगरी धाम से ब्रजघाट तक हरिद्वार की तर्ज पर रिवर फ्रंट विकसित कर इसे पर्यटन स्थल घोषित करने की मांग कर रहा है और इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

एन आर ग्लोबल स्कूल के प्रांगण मे पृथ्वी दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया गया

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- एन. आर. ग्लोबल स्कूल में पृथ्वी दिवस के अवसर पर नर्सरी, एल.के.जी., यू.के.जी., कक्षा प्रथम एवं कक्षा द्वितीय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस वर्ष की थीम "Our Power, Our Planet" के अनुरूप कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना था। नन्हे विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से परिचित कराया गया। गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के महत्व के बारे में सरल और प्रभावी ढंग से समझाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि पृथ्वी की सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है।

यह कार्यक्रम सोनिका मैम, संतोष मैम, नेहा मैम, खुशबू मैम, दीक्षा मैम, तनु मैम, तान्या मैम, पूजा मैम, उपासना मैम, अलका मैम एवं डॉली मैम के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. आरती चपराना ने इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्या ने कहा है कि आज के जागरूक बच्चे ही कल के सुरक्षित और स्वच्छ पृथ्वी के निमार्ता हैं।

स्कूली वाहन का एक्सेल टूटा, विद्युत पोल से टकराया वाहन

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर में सुबह के समय एक स्कूली वाहन का एक्सेल टूटने के कारण वह बिजली के पोल से जा टकराया। इस दुर्घटना में दो छात्रों को चोटें आई हैं। हालांकि बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया, क्योंकि वाहन बिजली के पोल से टकराने के बाद रुक गया और सामने कोई अन्य वाहन या व्यक्ति नहीं था। गुलावठी के रहने वाले छह छात्र रोज की तरह हापुड़ के एसएसवीएम स्कूल जाने के लिए फोर्स गाड़ी से निकले थे। गुलावठी कोतवाली से

पहले ही अचानक वाहन के ड्राइवर साइड का एक्सेल टूट गया, जिससे पहिया निकल गया। वाहन अनियंत्रित होकर बिजली के लोहे के पोल से जा टकराया। वाहन में आगे बैठे गुलावठी शहर निवासी शौर्य (12 वर्ष), जो कक्षा आठ का छात्र है, उसके होंठों पर चोटें आई हैं। वहीं, निर्भिक नामक छात्र के माथे पर चोट लगने की जानकारी मिली है। वाहन चालक योगेश ने बताया कि एक्सेल अचानक टूटा और ड्राइवर साइड का पहिया निकल गया। हादसे की सूचना मिलते ही अभिभावक अपने बच्चों को लेने मौके पर पहुंचे। कोतवाल शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि एक्सेल टूटने के कारण यह हादसा हुआ है।

लॉरेंस अकादमी गुलावठी के प्रांगण में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- लॉरेन्स एकादमी के प्रांगण में पृथ्वी दिवस मनाया गया, जिसमें विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने भाषण, कविता, नाटक तथा पेड़ बचाओ, पृथ्वी बचाओ के नारे लगाकर सभी उपस्थित जनों को जागरूक किया। प्रधानाचार्या तृप्ति तिवारी ने बताया कि हमें पृथ्वी की हरियाली की रक्षा करनी चाहिए और वृक्षों को नष्ट होने से बचाना चाहिए तथा नये पौधे लगाने चाहिए। जिससे पृथ्वी का सौन्दर्य हमेंशा बना रहे।कार्यक्रम के अन्त में प्रबन्धक सहीमुद्दीन मेवाती, निर्देशक शोएब मेवाती व प्रधनाचार्या तृप्ति तिवारी ने शिक्षकों व बच्चों के साथ वृक्षारोपण करके पेड़ बचाओ, पृथ्वी बचाओ का संदेशा दिया। इस अवसर पर प्रबन्धक जी ने पृथ्वी संरक्षण करने के लिए दृढ़ संकल्प कराया कि हमें प्रत्येक वर्ष नये पौधे लगाकर पृथ्वी को हरा-भरा करके प्रदूषण से मुक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि यही हमारी सच्ची देशभक्ति है। इस कार्यक्रम की मुख्य संचालिका वर्धा मंजर (कॉरडिनेटर) तथा मंच संचालिका कक्षा पाँच की उजैफा रहीं।

परिवारिक झगड़े में खून खराबा भतीजे ने चाचा को मारी गोली, गांव में सनसनी

बिजनौर (सब का सपना):- दीदा नगला गांव में पारिवारिक जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जहां भतीजे ने अपने ही चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। आरोपी घटना के बाद खुद थाने पहुंच गया, जहां पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय इशहाक पुत्र मांगलुद्दीन के रूप में हुई है। आरोप है कि उसके सगे भतीजे शाने राजा ने उसे गोली मारी। बताया जा रहा है कि आरोपी मेरठ में आबकारी विभाग में सिपाही के पद पर तैनात है। घटना को अंजाम देने के बाद वह कुछ समय के लिए फरार रहा, लेकिन बाद में स्वयं थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। जानकारी के अनुसार परिवार में जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। गुरुवार सुबह

खेत पर ट्यूबवेल लगाने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो शाम होते-होते मारपीट में बदल गई। इसी दौरान गुस्से में आकर शाने राजा ने तमंचे से अपने चाचा पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, सीओ सिटी संग्राम सिंह और शहर कोतवाल राम प्रताप सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से जानकारी ली।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी ने थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है, जिसे देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम का पुलिस से विवाद, हाईकोर्ट पहुंचे दुष्यंत चौटाला, एफआईआर और सीबीआई जांच की मांग

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का पुलिस से विवाद अब हाईकोर्ट पहुंच गया है। दुष्यंत चौटाला ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। साथ ही जांच को हरियाणा पुलिस से हटाकर किसी स्वतंत्र एजेंसी जैसे सीबीआई या चंडीगढ़ व पंजाब पुलिस को सौंपने की भी प्रार्थना की है। हाईकोर्ट शुक्रवार को सुनवाई करेगा। याचिका में कहा गया है कि 17 अप्रैल 2026 को हिसार में उनके काफिले को एक सफेद बोलेरो वाहन ने रोक लिया। सिविल ड्रेस में मौजूद पुलिस अधिकारी इंस्पेक्टर पवन कुमार ने हथियार लहराते हुए उन्हें और उनके सुरक्षाकर्मियों को धमकाया। दुष्यंत चौटाला ने कोर्ट को बताया कि वह

वाई-प्लस सुरक्षा श्रेणी के तहत संरक्षित हैं, बावजूद इसके इस तरह की घटना होना बेहद गंभीर है। याचिका के अनुसार, उनके पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर्स ने भी इस घटना की पुष्टि करते हुए अलग-अलग शिकायतें दी हैं, जिनमें जान से मारने की धमकी तक का जिक्र है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि इस घटना के बाद हरियाणा पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय उलटा उनके परिजनों और समर्थकों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर दबाव बनाने की कोशिश की। खास तौर पर 7 अप्रैल की एक घटना को आधार बनाकर दर्ज एफआईआर को प्रतिशोधात्मक कार्रवाई बताया गया है। दुष्यंत चौटाला ने कोर्ट के समक्ष यह भी दलील दी कि घटना के बावजूद पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की और न ही एफआईआर दर्ज की गई। इसके विपरीत, मामले को दबाने और साक्ष्यों को प्रभावित करने की आशंका जताई गई है। याचिका में सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने और सभी संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित करने के निर्देश देने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस की भूमिका संदिग्ध है और निष्पक्ष जांच की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी आधार पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए स्वतंत्र एजेंसी से जांच की आवश्यकता बताई है।

हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का पुलिस से विवाद हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। दुष्यंत चौटाला ने अपने काफिले को रोके जाने और जान से मारने की धमकी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने हरियाणा पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने और मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच की मांग की है।

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन क्की कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन क्ब्2, क्ब्6 और क्ब्12 की कमी से त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है।तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक-सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक - सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।

अविनाश तिवारी ने फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी पर जताई चिंता

अभिनेता अविनाश तिवारी जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आएंगे। आज इस फैमिली एंटरटेनर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। अविनाश का मानना है मौजूदा वक्त में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी है। एक्टर का कहना है कि 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जैसी फैमिली एंटरटेनर बनती रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की फिल्मों की कमी क्यों है?

संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है

'गिन्नी वेड्स सनी 2' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अविनाश तिवारी से बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी के बारे में पूछा गया। इसके पीछे के कारणों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी फिल्में बन रही हैं और जो बन रही हैं वो हम जाकर देख भी रहे हैं और देखना भी चाहिए। लेकिन अगर मैं देखूं तो मुंबई में बहुत सारे प्रवासी हैं। लोग अलग-अलग जगहों से यहां आते हैं, दोस्तों और पार्टनर के साथ बाहर जाते हैं, इसलिए प्रवास के कारण संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है।

अविनाश के घर के बच्चों ने नहीं देखीं उनकी फिल्में

अभिनेता ने यह भी कहा कि टिकट की कीमतें भी हैं और हमने इस बैंडविड्थ में लोगों के लिए फिल्में बनाने के बारे में सोचना बंद कर दिया है। यहां तक कि अपने घर पर भी, मैंने अपनी भाभी से पूछा कि आपने बच्चों को मेरी कौन सी फिल्म दिखाई है। उन्होंने कहा, एक में तो तू पागल हो रहा है (लैला मजनू), एक में चुड़ैल आ गई (बुलबुल) तो ये बच्चे लोगों को कैसे दिखाएं। तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे अपने घर के बच्चे मेरी फिल्में नहीं देख रहे हैं। इसने मुझे काफी प्रभावित किया। मैं भी बहुत दिखावा कर रहा था कि बहुत अलग-अलग काम किए हैं मैंने।

अविनाश ने याद करते हुए बताया कि आखिरी फिल्म जो उन्होंने अपने परिवार के साथ देखी थी वह 2023 में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' थी। उन्होंने कहा कि उसके बाद कितना समय हो गया है कोई ऐसी फिल्म आए जिसे परिवार के साथ जाकर देख सकें। मुझे नहीं पता कि हम इस पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। हम कहते हैं कि टिकट नहीं बिक रहे हैं, लेकिन अगर हम पारिवारिक फिल्म बनाएं, तो पूरा परिवार आने पर छह टिकट बिक जाते हैं। अगर मैं फिल्म बना रहा हूं, तो मैं इस बात पर ध्यान क्यों नहीं देता, यह विचार क्यों नहीं आता, मेरी समझ से बाहर है।

कुछ बुरा लगा तो अपने हिसाब से हैंडल करती हूं

साउथ इंडस्ट्री में रजनीकांत, कमल हासन और नागार्जुन जैसे तमाम सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुकी जानी-मानी एक्ट्रेस सिमरन बग्गा ने असल में करियर की शुरुआत बॉलीवुड की 'तेरे मेरे सपने' और 'सनम हरजाई' जैसी फिल्मों से की थी। हालिया समय में वह 'गुलमोहर' और 'रॉकेट्री-द नम्बी इफेक्ट' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्मों और ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री 'टूरिस्ट फैमिली' का अहम हिस्सा रहीं। सिमरन अब जल्द ही सनी देओल की 'गबरू' में नजर आएंगी।

कुछ अरसा पहले साउथ में हेमा कमेटी द्वारा मलयालम इंडस्ट्री में महिलाओं से जुड़ी यौन उत्पीड़न, शोषण, पे पेरिटी और शूटिंग पर बेसिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर खूब विवाद हुआ था। क्या आपको कभी सेट पर इस तरह की किसी समस्या से गुजरना पड़ा है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरी कोई इतनी डिमांड्स ही नहीं होती हैं। मुझे लगता है, सबका अपना - अपना नजरिया होता है। कई लोगों को सेन्सिटिविटी से बातें बुरी लग जाती हैं, तो वो आवाज उठाते हैं। हैं। हर इंसान का समस्याओं को डील करने का तरीका अलग-अलग होता है। जिन -जिन लोगों ने आवाज उठाई, उन्हें जरूर बुरा लगा होगा। उनके साथ वो नहीं होना चाहिए था, जो हुआ। अगर आप मेरे बारे में पूछें, तो अनुभव होते हैं, मगर मैं उन्हें अपने हिसाब से हैंडल करती हूं। मैं बहुत ही साफगो हूं, मैं सीधे जाकर उन लोगों से पूछ लेती हूं कि ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं उनको एहसास दिलाती हूं। उसकी जड़ तक जाना मुश्किल है, आप ज्यादा बवाल मचाओगे, तो आपको खुद को हर्ट होगा और सामने वाला और उछलेगा।'

नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्मों का हिस्सा

अपनी बात को जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैंने बॉलीवुड में भी काफी काम किया है। मगर साउथ की फिल्में करने के बाद मैंने शादी की और फिर परिवार को भी बैलेंस करना जरूरी था। ओटीटी पर मैंने 'जिद्दी गर्ल' और 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट और 'गुलमोहर' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म भी की। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी जी का साथ मिला। 'रॉकेट्री-द नम्बी' जैसी फिल्म मेरे करियर की एक और उपलब्धि है, जो पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित रॉकेट वैज्ञानिक नंबी नारायणन की जिंदगी पर आधारित है। आर माधवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नम्बी नारायण की भूमिका आर माधवन ने की थी। मैंने फिल्म में मीना नम्बी नारायण का रोल किया था। इन फिल्मों ने हिंदी मनोरंजन जगत में मेरी पहचान पुख्ता की। 'टूरिस्ट फैमिली' भी मेरे दिल में खास जगह रखती है। यह फिल्म ऑस्कर के कन्टेंडर लिस्ट में शामिल थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी धमाल किया था। उम्र और करियर के इस मुकाम पर मैं बहुत खुश हूं कि ओटीटी के आने के बाद एक्ट्रेसेस के लिए किरदार लिखे जाने लगे हैं।

मदरहुड एक खूबसूरत जिम्मेदारी है

सिमरन घर-परिवार और काम को कैसे बैलेंस करती हैं? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे दो बेटे हैं, एक कॉलेज में और छोटा बेटा स्कूल में नाइंथ क्लास में है। मुझे काफी मल्टीटास्किंग करनी पड़ती है। शूटिंग के दौरान फोन के जरिए बच्चों और परिवार के टच में रहती हूं। मेरे परिवार का बहुत बड़ा सपोर्ट है और उनके बगैर कुछ भी संभव नहीं है। मदरहुड को चुनौतीपूर्ण कहूंगी , मगर साथ ही यह काफी खूबसूरत जिम्मेदारी भी है। पूरा दिन काम करने के बाद आपको घर जाने का इंतजार रहता है। घर जाकर आप पहला सवाल करते हैं, बेटा, तूने खाना खाया? कैसा था दिन?' मगर हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि अपनी फैमिली और करियर के बीच संतुलन बनाए रख पा रहे हैं। मैं तो हमेशा काम करना चाहती हूं। मुझे रिटायरमेंट बहुत डरावना लगता है।'

बॉलीवुड और साउथ में काम करने पर बोलीं सिमरन

बॉलीवुड से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सिमरन ने साउथ की हर भाषा में काम किया है। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड में 'तेरे मेरे सपने' से की थी। इस फिल्म का , 'ओ लड़की आंख मारे' काफी फेमस हुआ था। उससे पहले मैंने सावन कुमार टाक की 'सनम हरजाई' से डेब्यू किया था। मगर उस फिल्म के बाद मेरा रुख साउथ की तरफ मुड़ गया कर फिर मैं वही सेटल हो गई। अब मेरी आने वाली फिल्म 'गबरू' है और मैं उसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि इसमें मैं सनी देओल के साथ काम कर रही हूं।'

रजनी सर की बहुत बड़ी फैन हूं

तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम जैसी साउथ की सभी भाषों की फिल्मों में काम कर चुकी सिमरन साउथ के सुपरस्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में कहती हैं, 'मैंने कई स्टार्स के साथ काम किया है, मगर रजनी सर, कमल सर, नागार्जुन सर, जैसे लिविंग लेजेंड्स के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा। रजनी सर की सबसे बड़ी फैन हूं। वह सही मायनों में सुपर हीरो हैं। जब ये स्पाइडर मैन, सुपर मैन की फिल्में नहीं आई थी, वह तभी से सुपर हीरोज के एक्ट करते आ रहे हैं। मुझे याद है उनके साथ मेरी शूटिंग का पहला दिन था। आम तौर पर शूटिंग में जब हमारा सीन नहीं होता, तो हम मेकअप रूम या वैनिटी में जाकर बैठ जाते हैं, मगर उनके साथ शूट करते हुए मैं एक कोने में बैठ जाती थी और उनको देखती रहती थी कि वह इतने विनम्र और दयालु कैसे हैं? मैंने सेट पर उन्हें काफी स्टडी किया है।'

सलमान की अगली एक्शन फिल्म में हुई राजपाल यादव की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है। सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है। पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

'एस्पिरेंट्स' की सफलता पर बोले अभिलाष थपलियाल

लॉकडाउन के दौरान आई सीरीज 'एस्पिरेंट्स' ने पहले ही सीजन से ऑडियंस के बीच जबरदस्त पहचान बना ली थी। 'एसके सर' का किरदार आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। 'अमर उजाला' से खास बातचीत में 'श्वेतकेतु' यानी अभिलाष थपलियाल ने बताया कि 'एस्पिरेंट्स' की सफलता के बाद अब कलाकारों की अपनी-अपनी वैनिटी वैन हो गई है। बातचीत में उन्होंने तापसी पन्नू, अनुराग कश्यप, रेडियो और अपने सफर को लेकर भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

'मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा हो जाएगा'

जब हम एस्पिरेंट्स का पहला सीजन कर रहे थे, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बन जाएगा। बस इतना पता था कि कहानी बहुत अच्छी है और UPSC की दुनिया पर आधारित है। उस समय यह बिल्कुल नहीं लगा था कि यह सीरीज लोगों के बीच इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। हमें तो यह भी नहीं पता था कि शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा। बाद में यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ और लॉकडाउन के दौरान लोगों ने इसे खूब देखा। शायद यही वजह रही कि एस्पिरेंट्स धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। आज भी एयरपोर्ट, कॉलेज या कहीं भी जाऊं, लोग मुझे 'एसके सर' कहकर बुलाते हैं।

'मैं जमीन पर नागिन डांस कर रहा था... और एक सेकंड को लगा कि मैं फिट नहीं हूं'

पहले दिन सेट पर माहौल बहुत हल्का-फुल्का था। मैं तो मस्ती में जमीन पर नागिन डांस कर रहा था और सब हंस रहे थे। लेकिन उसी बीच एक ऐसा मजेदार और थोड़ा टफ मोमेंट भी आया, जो आज भी याद है। नवीन (को स्टार नवीन कस्तूरिया) ने मजाक-मजाक में डायरेक्टर से कहा, 'ये एसके लग नहीं रहा, किसी और को ट्राय करो।' अब वो मजाक था, लेकिन एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि यार, कहीं मैं फिट तो नहीं बैठ रहा? ऐसे मोमेंट्स आपको और मेहनत करने के लिए धक्का देते हैं। बाद में वही किरदार लोगों को इतना पसंद आया कि आज सब मुझे 'एसके सर' के नाम से जानते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था अपनी भाषा और लहजे पर काम करना। मुझे एक ऐसे लड़के को निभाना था जो बिहार से है, लेकिन दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसमें बैलेंस बनाना था कि वो पूरी तरह देहाती भी न लगे और पूरी तरह शहरी भी नहीं। हमने इस पर काफी मेहनत की। 'सबसे बड़ा बदलाव बस इतना आया कि अब सबकी अपनी-अपनी वैनिटी वैन है'

तापसी बहुत पुरानी दोस्त है... लेकिन...'

तापसी का सपोर्ट मेरे लिए अलग इसलिए था, क्योंकि वो मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। हम दोनों जब मुंबई में नए थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं। लेकिन दोस्ती से हटकर भी, एक कलाकार के तौर पर मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने हमेशा अलग और दमदार काम चुना है। ऑफ स्क्रीन भी वो वैसी ही हैं। बहुत साफ, बहुत सीधी। इंडस्ट्री में अगर मेरे करीबी दोस्तों की बात होगी, तो तापसी उनमें जरूर होंगी। मुझे पता है कि अगर मैं कभी उलझूं, तो वो मुझे घुमा-फिराकर नहीं, सीधी बात ही कहेंगी।

'पहली मुलाकात में ही मैंने कह दिया था कि मैं फिल्म छोड़ देता हूं'

तापसी पन्नू के साथ मेरी पहली ठीक-ठाक मुलाकात भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। यह 'दिल जंगली' की शूटिंग के दौरान हुआ, जब हम लंदन में थे। उस वक्त मैं नया था, छोटे-छोटे काम कर रहा था, रेडियो और स्केचेज की दुनिया से आ रहा था। तापसी उस फिल्म में भी अपने किरदार को लेकर बहुत सीरियस थीं। वह उन एक्टर्स में से हैं जो अपने रोल के लिए जो भी करना पड़े, वह करती हैं। उस फिल्म के लिए उन्होंने अपने लंबे बाल कटवा लिए थे। अब हुआ ये कि एक दिन वह सामने आईं और अचानक मुझसे पूछने लगीं, 'तुमने देखा? मैंने बाल कटवा लिए, कुछ बोलोगे नहीं?' और फिर न जाने कैसे बात मजाक से बहस में बदल गई। वह मुझे डांटने लगीं, मैं भी पलटकर जवाब देने लगा। कुछ ही देर में हम दोनों एक-दूसरे पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे।

'मुझे भी लंबे समय तक 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते रहे'

हमारी इंडस्ट्री की एक दिक्कत ये है कि वो बहुत जल्दी आपको एक खाने में डाल देती है। ये हीरो है, ये हीरो का दोस्त है, ये विलेन है, ये अमीर है, ये गरीब है... बस फिर उसी हिसाब से रोल आने लगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। शुरुआत में मुझे भी अक्सर 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते थे। दिक्कत रोल से नहीं होती, दिक्कत तब होती है जब लोग मान लेते हैं कि तुम बस इतना ही कर सकते हो। फिर धीरे-धीरे आपको खुद ही समझाना पड़ता है कि नहीं, मैं इससे ज्यादा भी कर सकता हूं। असली लड़ाई वहीं से शुरू होती है। क्योंकि लोग आपको जिस नजर से देखते हैं, जरूरी नहीं कि आप सच में वही हो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।